an>

Title: Need to set up a Sports Authority of India Training Centre at Netarhat in Chatra parliamentary constituency, Jharkhand.

श्री सुनील कुमार सिंह (चतरा) ः भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधीन भारतीय खेल प्राधिकरण (स्पोर्ट्स ऑथिरिटी ऑफ इंडिया, साई) द्वारा 25 मई, 1995 को साई प्रशिक्षण केन्द्र- एस.टी.सी. योजना (साई ट्रेनिंग सेंटर, एस.टी.सी.) शुरू की गई थी। जिसके तहत 14 वर्ष से 21 वर्ष तक की आयु के युवाओं को जूनियर स्तर पर खेलों के लिए तैयार किया जाता था। वर्ष, 2012 में आयु सीमा में बदलाव कर 12 वर्ष से 18 वर्ष की आयु तय की गई। इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश में खेल का बुनियादी ढांचा तैयार करके क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करना है। केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार के सहयोग से साई प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की जाती है। इस योजना के अंतर्गत 26 खेलों के प्रशिक्षण शामिल हैं। जिनमें मुख्य तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, हॉकी, मुक्केबाजी, साइकलिंग, फुटबाल, वॉलीबॉल, शूटिंग आदि हैं।

झारखंड में क्रिकेट, हॉकी, तीरंदाजी, एथलेटिक्स और फुटबॉल काफी लोकप्रिय खेल हैं। झारखंड से श्री जयपाल सिंह, पूर्व भारतीय हॉकी टीम के कप्तान रह चुके हैं, जो ओलंपिक खेल 1928 में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने वाली हॉकी टीम के कप्तान थे। वर्तमान में श्री मनोहर टापनो और श्री विमल लाकड़ा भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी हैं। कुमारी आषुंता लाकड़ा भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रही हैं। दीपिका कुमारी तीरंदाजी में स्वर्ण पदक विजेता हैं। मुक्केबाजी में लक्ष्मी पाड़िया और दिवाकर प्रसाद अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाज झारखंड से हैं। क्रिकेट में महेंद्र सिंह धोनी भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान हैं, जिनकी कप्तानी में भारत ने विश्व कप जीता है।

वर्तमान में भारतीय खेल प्राधिकरण (स्पोर्ट्स ऑथिरिटी ऑफ इंडिया, साई) के साई प्रशिक्षण केन्द्र- एस.टी.सी. योजना (साई ट्रेनिंग सेंटर, एस.टी.सी.) के तहत कुल 58 केन्द्र देश में खुले हुए हैं। परंतु झारखंड राज्य में एक भी साई प्रशिक्षण केन्द्र नहीं है। झारखंड प्रदेश, उग्रवाद से प्रभावित राज्य है। इस राज्य में खेल को बढ़ावा देकर युवाओं के आगे लाया जाता है तो प्रदेश का विकास संभव हो सकेगा। क्षेत्रीय असंतुलन दूर होगा।

अतः मेरी भारत सरकार से मांग है कि चतरा संसदीय क्षेत्र के नेतरहाट में साई प्रशिक्षण केन्द्र खोल जाए, जिससे इस क्षेत्र के युवा, खेलों के प्रति जागरूक हो और खेलों में अपना भविष्य निर्माण कर सके।